12.15 hrs.

(i) PROBLEMS OF JUVENILE DELINQUENTS AND UNDERTRIALS IN JAILS IN THE COUNTRY.

श्रीमती कृष्णा साही (बेगुसराय) : अध्यक्ष महोदय, देश में बाल अपराधियों तथा विचाराधीन बाल कैदियों की दशा अब भी बहुत खराब है। बाल अपराधियों को पृथक जेलों में रखने के लिए पृथक कानून तथा विशेष जेल बने हुए हैं। लेकिन प्रशासनिक पुलिस व जेल अधिकारियों द्वारा अक्सर उन की अवहेलना कर दी जाती है। बाल कैदियों को पृथक जेलों में न रख कर या जमानत पर न छोड़ कर उन्हें सामान्य जेलों में आम अपराधियों के साथ रखा जाता है, जिस से बच्चे और अधिक कठोर बन जाते हैं और उन में अपराध प्रवृत्ति न हो तो पैदा हो जाती है।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 30 जून, 1981 को देश भर की जेलों में 16 वर्ष की कम उम्र के 2482 बाल कैदी थे।

हमारे देश में न्यायिक अधिकारियों की कर्तव्यपालन में ढील के कारण बाल कैदी और सभी वर्गों के कैदियों को उन के कानूनी अधिकार नहीं मिल पाते हैं। पुलिस तो ज्यादती करती ही है और अनेक बार निर्दोष लोगों को भी हवालात में डलवा देती है। फिर उन की सुनवाई नहीं होती। उन के मुकदमों की तारीखें पड़ती रहती हैं और कई बार उन के कागजात भी खो जाते हैं। ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में कैदी 10-20 वर्ष तक भी सड़ते रहते हैं और जेल रिकार्ड बन कर रह जाते हैं। पुलिस, न्यायिक और जेल प्रशासन तीनों को ही ठीक करने की जरूरत है।

ऐसे मामले अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण हैं जिन में कैदियों के चोरी के मुव्दमें न तीस वर्ष तक भी फैसला नहीं हुआ और इस बीच वे जेल में पड़े-पड़े बूढ़े और पागल हो गये तथा सगे सम्बन्धियों ने भी उन्हें भुला दिया।

(ii) NEED FOR EXPEDITING FINANCIAL ASSISTANCE TO KERALA UNIVERSITY BY THE UNIVERSITY GRANTS COMMISSION

SHRI V. S. VIJAYARAGHAVAN (Palghat): ***Sir, the Kerala University is facing a serious financial crisis. Many important schemes essential for the development of the University are hanging fire due to shortage of funds.

The University Grants Commission has not taken a favourable attitude in respect of the financial requirements of Kerala University. During the Sixth Plan, the Kerala University is likely to get only Rs. 1 crore whereas the total outlay for U.G.C. is Rs. 280 crores. During the last year the amount earmarked for the Kerala University was a mere Rs. 35 lakhs. In the same year the UGC allotted Rs. 1 crore for the development of the Delhi University. It is also a fact that on a number of occasions even some colleges in Delhi were benefited by the manificence of the UGC. Unfortunately the same attitude is not adopted by it in regard to allotment of funds for the Kerala University for meeting expenditure on urgent developmental works. This has landed the University of Kerala in a serious financial crisis.

Therefore, I request the Government to take immediate steps to provide adequate funds to the Kerala University.

(iii) NEED TO MAKE PROVISIONS IN THE BUDGET FOR REPAIRS TO DWARKA TEMPLE IN SAURASHTRA (GUJARAT).

SHRI DIGVIJAY SINH (Surendranagar): Sir, the Dwaraka temple in

***The original speech was delivered in Malayalem